



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



वर्ष -12 अंक - 147

प्रयागराज, गुरुवार 24 सितम्बर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

न्यूयॉर्क में अमेरिका-ईरान के बीच 3 घंटे हुई बातचीत, ईरान की शर्त- अमेरिका दबाव घटाए तो होर्मुज खोलने तैयार

न्यूयॉर्क। यूएन जनरल असेंबली के दौरान मंगलवार को न्यूयॉर्क में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई। इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकोफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल हुए। कतर वेंग मध्यस्थता की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि बातचीत अच्छी रही और दोनों पक्षों की जल्द ही एक और बैठक होगी। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका सैन्य और आर्थिक दबाव कम करने के लिए कदम उठाता है तो ईरान 7 दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। सीधे नहीं मिले विटकोफ-अराघची, मध्यस्थों के जरिए हुई बातचीत-अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकोफ ने बातचीत के बाद कहा कि उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया कि उन्होंने ईरानी



अधिकारियों से सीधे मुलाकात नहीं की। बातचीत में ट्रम्प के ईरान को धमकी- 'डील करो, नहीं तो तबाह कर देंगे'- ट्रम्प

ने मंगलवार को यूएन में ईरान को धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अब दो रास्ते हैं, अमेरिका के साथ डील करे या फिर गंभीर सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहे। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान के साथ समझौता नहीं हुआ और संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका ईरान को तबाह कर सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका वेंग सामने शांति

समझौते या दोबारा सैन्य कार्रवाई का विकल्प है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अपनी ताकत के जरिए शांति कायम करना चाहता है। उन्होंने ईरान से बातचीत की मेज पर लौटने और होर्मुज को पूरी तरह खोलने की मांग भी की। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने की शर्तें बताई-ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खोलने के लिए अपनी शर्तें अमेरिका के सामने रखी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने अमेरिकी अधिकारियों के सामने इन शर्तों को रखा।

ईरान की मांग है कि अमेरिका तुरंत नॉर्सेनिक नाकाबंदी हटाए, विदेशों में फ्रीज की गई ईरानी संपत्तियां जारी करे। साथ ही लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करे-होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम तेल शिपिंग रूट में से एक है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाले इस जलमार्ग से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस का परिवहन होता है।

यूएन में भाषण के दौरान इस्ताग्राम चलाते दिखे सीरियाई राष्ट्रपति, एर्दोगन बोल रहे थे, अल-शरा फोन में रीलस स्कॉल कर रहे थे

न्यूयॉर्क। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भाषण के दौरान फोन चलाते दिखे। वीडियो में वे फोन पर इस्ताग्राम रीलस स्कॉल करते और उन्हें शेयर करते नजर आए। इस दौरान तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन भाषण दे रहे हैं। अल शरा के इस्ताग्राम चलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। अल-शरा इस साल दूसरी बार यूएन महासभा में शामिल हुए हैं। 2025 में वे करीब 60 साल बाद यूएनजीए में दुनिया के नेताओं को संबोधित करने वाले सीरिया के पहले प्रतिनिधि बने थे। अहमद अल-शरा जनवरी 2025 में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ सैन्य विद्रोह कर उन्हें सत्ता से हटा दिया गया था। सोशल मीडिया पर यूजर्स बोले- भाषण बोरिंग हो सकते हैं-अल-शरा का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा- 'राजनीतिक भाषण कभी-कभी

ने वॉकआउट किया। एर्दोगन ने अपने भाषण में गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई और नीतियों की आलोचना की। इसके अलावा इजराइली पीएम बेजाकिन नेतृत्व



यूएनजीए में भाषणों के दौरान प्रतिनिधिमंडलों का वॉकआउट भी देखने को मिला। ट्रम्प ने क्यूबा को फ्लेड स्टेट कहा तो क्यूबा का प्रतिनिधिमंडल हॉल से बाहर चला गया। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने ट्रम्प पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि क्यूबा को एक संप्रभु और स्वतंत्र देश होने का अधिकार है। तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन के भाषण के दौरान भी इजराइली प्रतिनिधिमंडल

के स्पीच के दौरान भी कई देशों के डेलिगेशन ने मास वॉकआउट किया। पूर्व ब्रिटिश पीएम जॉनसन भी 2016 में यूएन में फोन चलाते हुए नजर आए थे। उस वक्त वे ब्रिटेन के विदेश मंत्री हुआ करते थे। बोरिस जब फोन चला रहे थे, उसी दौरान तत्कालीन ब्रिटिश पीएम थेरेसा मे भाषण दे रही थीं। यूएन की लाइव कवरेज में कैमरा कई बार ब्रिटिश

प्रतिनिधिमंडल की तरफ गया। हर बार जॉनसन हाथ में मोबाइल लिए दिखाई दिए और कभी-कभी ही भाषण की तरफ देखते नजर आए। द इंडिपेंडेंट के मुताबिक जॉनसन ने काफी समय फोन पर मैसेज भेजने में बिताया।

अल-शरा को 2013 में अमेरिका ने आतंकी घोषित किया था-अहमद अल-शरा ने 2003 में मेडिकल की पढ़ाई छोड़ अल कायदा नेताओं के संपर्क में आए। उन्हें अमेरिकी सेना ने 2005 में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जेल से छूटने के बाद अल-शरा ने अल कायदा की सीरिया शाखा जबात अल-नुस्र का गठन किया। अलकायदा से जुड़े अल-शरा को अमेरिका ने 2013 में आतंकीयों की सूची में डाला था। उन पर 10 मिलियन डॉलर यानी लगभग 84 करोड़ रुपए का इनाम था। 2016 में वह अल कायदा से अलग हो गए और हयात तहरीर अल-शाम की स्थापना की। दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के पतन के बाद जुलानी ने सत्ता संभाली। इसके बाद दुनिया को उनके असली नाम का पता चला।

जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति अमेरिका पहुंचे, यूएन में भाषण, न्यूयॉर्क में कहीं आने-जाने के लिए इजाजत लेनी होगी

न्यूयॉर्क। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान मंगलवार देर

राष्ट्रपति ट्रम्प एक ही शहर में होंगे, लेकिन फिलहाल दोनों की



रात (भारतीय समयानुसार) न्यूयॉर्क पहुंच गए। वे 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देंगे। जिस अमेरिका से ईरान की जंग चल रही है, उसी ने पजशकियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची को यूएन की बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी है। पजशकियान और अमेरिकी

बैठक तय नहीं है। ट्रम्प ने पजशकियान से मिलने की इच्छा जताई है। लेकिन ईरानी पक्ष ने कहा है कि दोनों नेताओं की कोई बैठक तय नहीं है। ईरान के नेताओं के यूएन भाषणों का इतिहास कई बड़े विवादों से जुड़ा रहा है। कभी अमेरिकी डेलिगेशन भाषण के दौरान सदन से बाहर चला गया, कभी एक प्रदर्शनकारी

मंच तक पहुंच गया और कभी कई देशों के प्रतिनिधियों ने एक साथ वॉकआउट किया। पजशकियान के भाषण में 4 चीजों पर नजर रहेगी:-1. अमेरिका के साथ जंग पर क्या कहेंगे? पजशकियान अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और ईरान पर दबाव को किस तरह पेश करते हैं, यह अहम होगा।

खासकर यह कि युद्ध रोकने के लिए ईरान की क्या शर्तें हैं। 2. होर्मुज को लेकर क्या मैसेज देंगे? ईरान पहले ही कह चुका है कि अमेरिकी सैन्य दबाव और बंदरगाहों की नाकाबंदी कम होने पर वह 7 दिन में होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है।

इसलिए भाषण में इस मुद्दे पर कोई नया संकेत महत्वपूर्ण होगा।

3. ट्रम्प को क्या मैसेज देंगे? दोनों नेताओं की बैठक तय नहीं है। ऐसे में पजशकियान अपने भाषण में सीधे या परोक्ष रूप से ट्रम्प और अमेरिकी प्रशासन को क्या संदेश देते हैं, इस पर भी नजर रहेगी। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

मैक्रों बोले-गाजा के हालात दुनिया के लिए शर्म की बात, लोग पानी-दवाइयों के लिए जूझ रहे, ट्रम्प के जंग खत्म होने के दावे पर लगाया प्रश्नचिन्ह

न्यूयॉर्क। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में शांति को लेकर किए जा रहे दावों पर सवाल उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र

जिसमें कहा गया था कि गाजा का युद्ध खत्म हो चुका है और उनकी 20 सूत्रीय शांति योजना सफल रही है। मैक्रों बोले-



महासभा (यूएनजीए) में अपने भाषण में उन्होंने कहा कि गाजा की मौजूदा स्थिति पूरी दुनिया के लिए शर्म की बात है। मैक्रों ने कहा कि वहां के लोग अब भी पानी, दवाइयों और राहत सामग्री के लिए जूझ रहे हैं, इसलिए सिर्फ शांति का दावा करने से हालात नहीं बदलते। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के कुछ घंटे बाद आई,

जिसमें कहा गया था कि गाजा का युद्ध खत्म हो चुका है और उनकी 20 सूत्रीय शांति योजना को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। लाइट हाउस ने कहा कि कई लोग सिर्फ बयान दे रहे हैं, जबकि ट्रम्प इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं। मैक्रों ने वेस्ट बैंक का मुद्दा भी उठाया-मैक्रों ने अपने भाषण में वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा की भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां लगभग हर दिन नई घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि वेस्ट बैंक की हर घटना के लिए हमारा जो जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ट्रम्प की ईरान को धमकी-समझौता करो, वरना तबाह कर देंगे, 7 महीने में 10 से ज्यादा धमकियां दीं, हर बार पलटें

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को एक बार फिर से तबाह करने की धमकी दी है।

जनात ट्रम्प से नाराज-रॉयटर्स/इस्फोस के सर्वे के मुताबिक, ईरान पर हमला करने से 66फीसदी



मंगलवार को यूएन में अपने भाषण में उन्होंने कहा 'अमेरिका के पास दो रास्ते हैं- ईरान के साथ समझौता करना या उसे खत्म कर देना।' अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने के बाद से ट्रम्प पिछले 7 महीने में 10 से ज्यादा बार ईरान को तबाह करने की धमकी दे चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें पलटकर बातचीत का रास्ता अपनाना पड़ा। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले ट्रम्प की चेतावनी के 5 बड़े मायने:- 1. ईरान पर हमले से 66फीसदी अमेरिकी

अमेरिकन ट्रम्प से नाराज हैं। सिर्फ 34फीसदी लोग ही ट्रम्प के सपोर्ट में हैं। 3 नवंबर को अमेरिका में मिडटर्म इलेक्शन हैं। ट्रम्प नहीं चाहते कि उनकी पार्टी को नुकसान हो। इसी वजह से वो ईरान युद्ध को अब अंजाम तक पहुंचाना चाहते हैं। 2. ट्रम्प की पार्टी के लोग युद्ध से दूरी बना रहे-मिडटर्म चुनाव से पहले कुछ रिपब्लिकन उम्मीदवार मिडटर्म चुनाव से पहले ट्रम्प की चेतावनी के 5 बड़े मायने:- 1. ईरान पर हमले से 66फीसदी अमेरिकी

पाक ने 2 हजार पूर्व अफगान सैनिक भर्ती किए, इनमें से कई तालिबान के खिलाफ लड़ चुके, अब बलूच विद्रोहियों से लड़ेंगे

क्वेटा। बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों के बढ़ते हमलों से पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पर दबाव बढ़ रहा है। इनसे निपटने के लिए पाकिस्तान ने 2,000 पूर्व अफगान सैनिकों और पुलिसकर्मियों भर्ती किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें ज्यादातर वे अफगान सैनिक हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना वेंग साथ तालिबान के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। एक पूर्व अफगान सैनिक के मुताबिक, भर्ती हुए लोगों को हर महीने 40 हजार पाकिस्तानी रुपए, यानी करीब 13,807 भारतीय रुपए मिलते हैं। बलूचिस्तान में 2 महीने में 172 हमले, 68 सुरक्षाकर्मी मारे गए-बलूचिस्तान में सुरक्षा ऑपरेशन चलाए जाने के बावजूद विद्रोही धानों, सरकारी दफ्तरो और हाईवे को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान को सुरक्षा और हिंसा से जुड़े मामलों पर रिसर्व करने वाली संस्था इस्लामिक को मुताबिक, दो महीने में बलूचिस्तान में 172 हमले हुए। अकेले जुलाई में विद्रोही हमलों और सुरक्षा ऑपरेशन वेंग दौरान 62 सुरक्षाकर्मी मारे गए। हालात का

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नौशकी शहर में विद्रोहियों से नियंत्रण वापस लेने के लिए पाकिस्तानी सेना को हेलिकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल करना पड़ा। तालिबान की वापसी के बाद नौकरी गई, आर्थिक तंगी



ने भर्ती को मजबूर किया-अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद कई पूर्व अफगान सैनिकों की नौकरी और तनखाह बंद हो गई। बदले के डर से इनमें से कई पाकिस्तान चले आए। 2021 से 2023 के बीच पूर्व सैनिकों और सुरक्षाकर्मीयों की 218 हत्याएं हुईं। ऐसे माहौल में उनके लिए

अफगानिस्तान वापस जाना मुश्किल था। पाकिस्तान आने के बाद इन लोगों के पास कोई काम नहीं था। पैसे की दिक्कत बढ़ती गई। ऐसे में जब सुरक्षा बल में नौकरी मिली, तो उन्होंने इसे अपना लिया। पाकिस्तान को

भी है कि इन लोगों को पहले से सैन्य ट्रेनिंग मिली हुई है। ऐसे में नए सैन्य से उन्हें बेसिक ट्रेनिंग देने की जरूरत कम पड़ सकती है। बलूचिस्तान के 27 जिलों में विद्रोही संगठनों की गतिविधियां-पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल बलूचिस्तान में 254 हमले हुए। इनमें बलूच विद्रोही संगठनों से जुड़े 225 हमले 27 जिलों में दर्ज किए गए। केच में 30 और क्वेटा में 26 हमले हुए। वहीं, टीटीपी से जुड़े 28 हमले दर्ज किए गए। इनकी ज्यादा गतिविधियां उत्तरी पश्तून बहुल इलाकों में हुईं। बलूच संगठन स्वायत्तता या आजादी की मांग करते हैं, जबकि टीटीपी इस्लामी शासन लागू करना चाहता है। कई शहरों में पुलिस की पकड़ कमजोर-लगातार ही रहे हमलों के कारण बलूचिस्तान के कई जिलों में पुलिस की पकड़ कमजोर हुई है। इससे कानून व्यवस्था संभालने में भी मुश्किल आ रही है। प्रशासन को रोजमर्रा के पुलिस कामों के लिए भी अर्थसैनिक बलों और सेना की मदद लेनी पड़ रही है। कई इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए सैन्य बलों पर निर्भरता बढ़ गई है।

तुर्किये राष्ट्रपति ने यूएन में फिर से उठाया कश्मीर मुद्दा, 2019 से 7 बार जिक्र कर चुके, फिलिस्तीन का नाम लिया तो इजराइली अधिकारी बाहर निकले

न्यूयॉर्क। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एकबार फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने मंगलवार को कहा कि कश्मीर मुद्दे का हल बातचीत के जरिए होना चाहिए। एर्दोगन 2019 से हर साल (2024 छोड़कर) 7 बार यूएन में कश्मीर का जिक्र कर चुके हैं। भारत पहले भी ऐसी टिप्पणियों को खारिज कर चुका है। एर्दोगन ने फिलिस्तीन के पक्ष में भी भाषण दिया। उन्होंने गाजा में इजराइल की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। इस दौरान इजराइल के प्रतिनिधि यूएन महासभा हॉल से बाहर चले गए। ब्रिटेन के पीएम बोले- एआई के इस्तेमाल के लिए ग्लोबल नियम बनाए जाएंगे-ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एडी

वर्नहैम ने यूएनजीए में रूस पर झूठ और भ्रामक जानकारी के इस खतरे से बचने के लिए ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया की अगुवाई करेगा। बर्नहैम ने यह भी एलान किया कि साल 2027 में जब ब्रिटेन जी20 देशों की अध्यक्षता करेगा, तब एआई के सुरक्षा इस्तेमाल के लिए ग्लोबल नियम बनाए जाएंगे।



का खतरा और बढ़ जाएगा। उन्होंने प्रस्ताव रखा है कि एआई और गलत जानकारी के इस खतरे से बचने के लिए ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया की अगुवाई करेगा। बर्नहैम ने यह भी एलान किया कि साल 2027 में जब ब्रिटेन जी20 देशों की अध्यक्षता करेगा, तब एआई के सुरक्षा इस्तेमाल के लिए ग्लोबल नियम बनाए जाएंगे।

भाषण में उन्होंने चेतावनी दी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आने से झूठ को हथियार की तरह इस्तेमाल करने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति के यूएन दौरे का विरोध-वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज के

जनवरी में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के तहत निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के बाद रोड्रिगेज ने सत्ता संभाली थी।

हालांकि शुरुआत में उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी का विरोध किया, लेकिन बाद में ट्रम्प प्रशासन के साथ मिलकर देश के बड़े तेल भंडार से जुड़े समझौते किए। ईरान को धमकी-मेरे सामने ईरान को लेकर दो रास्ते हैं-समझौता करे या हम ईरान को तबाह कर देंगे। मैं ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दूंगा। ईरान से समझौते पर-मुझे लगता है कि ईरान मिडटर्म चुनाव के नतीजे का

इंतजार कर रहा है। इसके बाद वह समझौते के लिए तैयार हो सकता है। किसी भी तरीके से यह संघर्ष खत्म होगा। होर्मुज में तेल की आवाजही पर-होर्मुज स्ट्रेट को खुलना चाहिए। अमेरिकी नौसेना ने हाल में होर्मुज से 1 अरब बैरल से ज्यादा तेल ले जा रहे जहाजों को सुरक्षा दी है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

फाफामऊ ब्रिज से युवक ने गंगा में लगाई छलांग, नाविकों ने बचाई जान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। फाफामऊ थाना क्षेत्र



निकालने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पूछताछ में युवक ने खुद को कुंडा का रहने वाला बताया। उसने प्रयागराज में रहकर एक निजी कोचिंग संस्थान में पढ़ाई करने की बात कही। हालांकि, युवक की हालत ऐसी थी कि वह ठीक से कुछ बता नहीं पा रहा था। स्थानीय लोगों

में मंगलवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने फाफामऊ ब्रिज से गंगा नदी में छलांग लगा दी। युवक कुछ देर से पुल पर खड़ा था और उसने अपना बैग पुल पर टांग रखा था। अचानक उसने गहरे पानी में छलांग लगा दी और डूबने लगा। युवक के गंगा में गिरते ही मौके पर मौजूद नाविक और तैराक उसकी ओर दौड़ पड़े। नाविकों ने तत्परता दिखाते हुए गहरे पानी में पहुंचकर युवक को बाहर निकाल लिया। सूचना पर जल पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। युवक को सुरक्षित बाहर

योगी के आश्वासन के बाद छात्रों ने खत्म किया धरना, डीएम-पुलिस कमिश्नर ने जूस पिलाकर कराया आंदोलन समाप्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज में छात्रों



के आंदोलन से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आश्वासन के बाद छात्रों ने अपना धरना खत्म कर दिया है। धरना स्थल पर पहुंचे जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर ने छात्रों को जूस पिलाकर उनका अनशन और धरना समाप्त कराया। इसके बाद छात्रों को मेडिकल निगरानी के लिए बेली अस्पताल भेजा गया है, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उन्हें कुछ दिनों तक

मुख्यमंत्री की ओर से आश्वासन मिलने के बाद आंदोलन समाप्त करने का फैसला लिया गया। अधिकारियों ने छात्रों के स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। धरना खत्म होने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली है, वहीं छात्रों ने भी मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद आगे की कार्रवाई को लेकर इंतजार करने की बात कही है।

विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को लेकर मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न

23 अक्टूबर को होगा मतदान, 27 अक्टूबर को मतगणना,29 सितम्बर को जारी होगी निर्वाचन की अधिसूचना



सरनीत कौर ब्रोक़ा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 तथा खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसम्बर 2026 को समाप्त होने के कारण रिक्त होने वाली सीटों को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के

अनुसार 29 सितम्बर 2026 को निर्वाचन की अधिसूचना जारी की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अक्टूबर 2026, नाम निर्देशन की संवीक्षा 07 अक्टूबर 2026 तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08 बजे से अपराह्न 04 बजे तक मतदान कराया जाएगा, जबकि 27 अक्टूबर 2026 को मतगणना होगी। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करा ली जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अनुसार आदर्श आचार संहिता के सुसंगत उपबंध प्रभावी हो गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यों के निर्देश दिए। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, समस्त उप जिलाधिकारी, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फ़िरोज जलालदह सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज के अतरसुड्डा थाने की पुलिस टीम द्वारा कोडीन युक्त कफ सीरप कुल 11037 शीशी, कुल 11825 इन्जेक्शन, 35520 कैप्सूल, 161400 टैबलेट्स व अन्य सामग्री बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आज



दिनांक 22.09.2026 को थाना अतरसुड्डा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाना अतरसुड्डा के चौकी कल्याणी देवी क्षेत्रान्तर्गत नाले के पास बने 01 मकान के एक कमरे में कोडीनयुक्त कफ सीरप का भण्डारण किया गया है तथा साथ में अन्य नशीली दवाइयों व इन्जेक्शन भी हैं। इस सूचना पर थाना अतरसुड्डा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उच्चाधिकारी गण तथा औषधि विभाग के अधिकारीगण को अवगत करवाया गया। पुलिस टीम तथा औषधिनिरीक्षक द्वारा मुखबिर के बताये गये मकान में पहुंचकर दबिश दी गयी तो 01 कमरे में कार्टून में रखी कफसीरप दवायें व इन्जेक्शन पाये गये जिनका विवरण निम्नवत है- 1. ONEREX (CODEINE PHOSPHATE & TETRACYCLINE HYDROCHLORIDE SYRUP 100 ML) कुल 11037 शीशी 2. BUPRENORPHINE INJECTION IP. 0.3 mg/ml) कुल 925.3. INFAPENTA (PENTAZOCINE INJECTION IP) कुल 3700 इन्जेक्शन, 4. ZYMOX-CV सीरफ कुल 340 शीशी 5. जी0 के0 इण्टेराइजेज की BANK चेकबुक तथा बैंक स्टेटमेंट्स 6. पैनकाई व आधारकार्ड की छायाप्रति 7. DDI मिनी ग्राइंडर व उसके टूल्स (बैच नं0 मिटाने में प्रयुक्त) 8. B-STL FbpeskeāMeve

SEMPLX+ CAPSULE ACETAMINOPHEN CAPSULE) कुल 35520 टैबलेट, 10. NETOWIN PENTAZOCINE LACTATE INJECTION IP 0.3 mg/ml) कुल 4800 11. ALFA 5.0 TABLET कुल 161400 टैबलेट्स.छापेमारी करने वाली टीम को मौजूद औषधिनिरीक्षक द्वारा बताया गया कि यह स्थान/मकान इन दवाओं के रखने, बेचने, भण्डारण आदि के लिए अधिकृत नहीं है उपरोक्त बरामद दवायें मात्र चिकित्सक की सलाह पर ही मरीजों को दी जा सकती हैं। उक्त स्थान पर इन दवाओं का प्राप्त होना इस बात को सिद्ध करता है कि इन दवाओं का प्रयोग चिकित्सकीय प्रयोग हेतु न होकर बल्कि नशे के रूप में प्रयोग/अवैध डायवर्जन हेतु भण्डारण किया गया है। इस संबंध में थाना अतरसुड्डा में मू0अ0 सं-70/4/2026 धारा 08/21/22 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया ।

नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ का विवरण- उक्त मकान के स्वामी से पूछताछ करने पर बताया गया कि यह कमरा 01 व्यक्ति अरुणी सहगल पुत्र स्व0 कपिल कुमार सहगल निवासी 11/2 गुजराती मुहल्ला नियर कल्याणी देवी मन्दिर थाना अतरसुड्डा जनपद प्रयागराज को किराये पर दिया गया है। वांछित अभियुक्त का विवरण- अरुणी सहगल पुत्र स्व0 कपिल कुमार सहगल निवासी 11/2 गुजराती मुहल्ला नियर कल्याणी

आपराधिक इतिहास- 1. मू0अ0सं0 203/2020 धारा 8/21 स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी अपराध अधि0 1985 थाना शंकरगढ़ कर्मि0 प्रयागराज। 2. मू0अ0सं0 230/2020 धारा M.P. DRUG (CONTROL) ACT, 1949 [5/13], 8/21/22/25/29NARCOTIC DRUGS AND PSYCHOTROPIC SUBSTANCES ACT, 1985 टीम का विवरण- 1. श्रीमान सहायक पुलिस आयुक्त अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज 2. औषधीय निरी0 सुनील कुमार रावत

3. उनि0 विवेक कुमार राय, थाना प्रभारी अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 4. उनि0 विश्वनाथ सिंह थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 5. उनि0 प्रिंस राठी थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 6. उनि0 विनय पाल थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 7. उनि0 शिवम सिंह थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 8. उनि0 गौरव कुमार थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 9. उनि0 अवधेश सोनी थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 10. उनि0 आकाश शर्मा थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 11. का0 रघुनन्दन गौड़ थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 12. म0का0 प्रिया सिंह थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज। 13. रि0का0 गुलजार यादव थाना अतरसुड्डा कर्मि0 प्रयागराज।

जनपद में भारत टैक्सी एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न,मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का देखा गया सजीव प्रसारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आज

उपायुक्त स्वतः रोजगार प्रमोद सिंह, उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय, उपनिदेशक मत्स्य,

के अन्तर्गत बीमा क्लेम दिये जाने, लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र तथा सहकारिता विभाग के को-



लखनऊ से सहकारी क्षेत्र में सहकारिता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तथा कृषकों

सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला सहकारी बैंक, अध्यक्ष उ0प्र0 ग्राम विकास बैंक,



को सुगता एवं सरलतापूर्ण ढंग से उ0प्र0 राज्य सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0, लखनऊ के माध्यम से कम ब्याज दर पर दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराने हेतु “भारत टैक्सी योजना एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना” शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं सभापति जिला सहकारी बैंक लि0, रायबरेली विवेक कुमार सिंह के साथ-साथ सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधाक, सहकारिता, रायबरेली विवेक कुमार सिंह,

समस्त अपर जिला सहकारी अधिकारी, समस्त सहायक विकास अधिकारी (सह0), समस्त सहकारी सचिव एवं सम्मानित कृषकगणों के द्वारा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा तथा मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को सुना। कार्यक्रम में भारत टैक्सी एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में भारत टैक्सी के शुभारम्भ के साथ-साथ टैक्सी सारथियों को 05 लाख की सामाजिक सुरक्षा

ऑपरेटिव डाटा सेंटर के मोबाइल एप यू0पी0सी0डी0सी0 एवं उर्वरक सेतु से सम्बन्धित जानकारी साझा की गयी। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने तथा कृषि क्षेत्र में सुविधाओं एवं सेवाओं को प्रभावी बनाने तथा कृषिगत गतिविधियों में दीर्घकालीन निवेश की उ2दघोषणा की गयी। कार्यक्रम संयोजक एवं सभापति जिला सहकारी बैंक लि0, रायबरेली विवेक विक्रम सिंह ने कहा कि उक्त योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंच के लिए व्यापक प्रयास किये जायेंगे साथ ही योजनाओं द्वारा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, परिवहन सेवा अधिक सुविधाजनक हो जायेगी एवं कम ब्याज दरों पर दीर्घकालीन ऋण प्राप्त होने से अधिक ब्याज दरों से मुक्ति के साथ-साथ आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों को 2047 के अन्तर्गत आयोजित सेवा संकल्प अभियान (17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026) को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में बल मिलेगा।

14 वर्षीय किशोर अरुण गौड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मंगलवार को पोस्टमार्टम के

दिया गया। मृतक के परिजन राजू गौड़ ने पुलिस को तहरीर देकर गांव



क्षेत्र के पिपरांव रामपुर गांव में 14 वर्षीय किशोर अरुण गौड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद मंगलवार को परिजनों में आक्रोश देखने को मिला। बीते दिन 21 सितंबर को अरुण का शव गांव के ही एक गड्ढे में पड़ा मिला था। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

बाद शव घर पहुंचा तो परिवार और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों का आरोप है कि अरुण के शरीर के बाएं हाथ, मुंह और कमर पर चोट के निशान थे। परिवार की ओर से आशंका जताई गई है कि किशोर को करंट लगाकर उसकी हत्या की गई और शव को गड्ढे में फेंक

के ही चार लोगों पर पुरानी रंजिश में हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि अभी तक उनकी तहरीर पर एफआइआर दर्ज नहीं की गई है, जिसको लेकर परिवार में नाराजगी है। शव घर पहुंचने के बाद परिजनों ने कार्रवाई की मांग की अभी भी अंतिम संस्कार नहीं किया गया..

42वीं वाहिनी पीएसी में एनपीएस एवं साइबर जागरूकता अभियान आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 42वीं वाहिनी पीएसी

प्रदेश सरकार द्वारा पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के

एवं व्यक्तिगत जानकारी की चोरी तथा डिजिटल प्रणालियों को



नैनी, प्रयागराज के सभागार में बुधवार को सेनानायक डश्री राजेश वर्मा श्री वास्तव (आईपीएस) के निर्देशन में साइबर अपराध से सुरक्षा एवं राष्ट्रीय पेशन प्रणाली (एनपीएस) संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस बल के कर्मियों को एनपीएस से मिलने वाले लाभों तथा भारत सरकार एवं उत्तर

लिए संचालित विभिन्न बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साइबर जागरूकता सत्र के दौरान इहैंकिंग, फिशिंग, पहचान की चोरी और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर अपराधियों द्वारा धन

नुकसान पहुंचाने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों से भी अवगत कराया गया।

इस अवसर पर सहायक सेनानायक श्री देवनायण यादव, दलनायक श्री बृजेश कुमार सरोज, सुबेदार मेजर श्री सुधांशु वर्मा, सहायक शिबिरपाल श्री हर्दास सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

धान की फसल में पत्ती लपेटक एवं तना छेदक कीट से बचाव हेतु किसानों को सलाह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अखिलेश पाण्डेय ने बताया है कि जनपद में धान खरीफ मौसम की प्रमुख फसल है तथा बड़े क्षेत्रफल में इसकी खेती की जाती है। वर्तमान में जनपद के कुछ क्षेत्रों में धान की फसल में पत्ती लपेटक एवं तना छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहा है। समय से नियंत्रण न किा जाने पर इन कीटों से फसल की पत्तियों एवं तनों को नुकसान पहुंचने के साथ उत्पादन में कमी हो सकती है। पत्ती लपेटक कीट के लक्षण: छोटी सुई धान की पत्ती को किनारे से मोड़कर अथवा लपेटकर उसके अंदर रहती है और पत्ती की हरी सतह को खुरचकर खाती है। प्रभावित पत्तियों पर सफेद अथवा पारदर्शी धारियां दिखाई देती हैं तथा पत्तियां लंबाई में मुड़ी हुई या नलीनुमा हो जाती हैं। अधिक प्रकोप होने पर पौधे की हरी पत्तियों का क्षेत्रफल कम होने से प्रकाश संश्लेषण प्रभावित होता है। तना छेदक कीट के लक्षण: तना छेदक की सुई पौधे के तने में प्रवेश कर अंदरूनी भाग को

खाती है। प्रारम्भिक अवस्था में पौधे की बीच की पत्ती सूखकर पीली पड़ जाती है, जिसे ‘डेड हार्ट’ (मृत गोभ) कहा जाता है। बालियां निकलने के समय प्रकोप होने पर बालियां सूखकर सफेद दिखाई देती हैं और उनमें दाने नहीं बनते। इस अवस्था को ‘खाइट ईयर’ (सफेद बाली) कहा जाता है। किसानों के लिए समेकित नियंत्रण उपाय खेत का नियमित निरीक्षण करें तथा प्रभावित पत्तियों एवं पौधों को पहचानकर यथासंभव नष्ट करें। तना छेदक की निगरानी के लिए फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें तथा कीट की स्थिति के अनुसार समय से नियंत्रण उपाय अपनाएं।अत्यधिक नत्रजन/यूरिया के असंतुलित प्रयोग से बचे और संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाएं। रासायनिक नियंत्रण: यदि पत्ती लपेटक अथवा तना छेदक का प्रकोप आर्थिक क्षति स्तर तक पहुंच रहा हो तो अनुमोदित कीटनाशी का लेबल पर दी गई मात्रा एवं उपयोग विधि के अनुसार ही प्रयोग करें। विभागीय सलाह के अनुसार निम्न विकल्पों में से किसी एक

का प्रयोग किया जा सकता है— काटांप हाइड्रोलॉयड 50पीसीडी एसपी – 400 ग्राम प्रति एकड़। लैम्ब्डा-साइहैलोथ्रिन 5पीसीडी ईसी – लेबल/अनुमोदित मात्रा के अनुसार।- क्लोरेंटानिलिप्रोल 18.5 एससी – 150 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर।- पलूबेन्डियामाइड 480 एससी – 50 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर। कीटनाशी का छिड़काव साफ पानी में निर्धारित मात्रा के अनुसार घोल बनाकर पत्तियों एवं पौधों के प्रभावित भागों पर समान रूप से करें। दवा की मात्रा निर्धारित मात्रा से अधिक न करें तथा बिना तकनीकी सलाह के एक साथ कई कीटनाशियों को मिलाकर प्रयोग न करें। छिड़काव प्रातः अथवा शाम के समय करना उपयुक्त रहता है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि कीट की पहचान अथवा कीटनाशी के चयन में किसी प्रकार का भ्रम होने पर अपने निकटतम राजकीय कृषि रक्षा इकाई अथवा कृषि विभाग के कर्मचारी से सलाह प्राप्त करने के बाद ही कीटनाशी का प्रयोग करें।

उद्यान मंत्री ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में वर वधु को दिया आशीर्वाद ,मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 214 जोड़ों का प्रिय बंधन में विवाह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड सतांव के गवा कांटा मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस भव्य आयोजन का शुभारंभ मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उ0प्र0 विदेश प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी व मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा दीप प्रज्जलित कर किया गया। कार्यक्रम में कुल 214 जोड़ों ने वैदिक विधि विधान से विवाह-सूत्र में बंधकर अपने जीवन की नई शुरुआत की। विवाह कार्यक्रम में हरचंद्रपुर 63, सतांव 58, खीरो 18, लालगंज 16, सरैनी 10,

डीह 22, राही 20 एवं न0पं0 सलोन 7 जोड़े शामिल हैं। कार्यक्रम में उद्यान मंत्री ने आयोजित इस पानव एवं गरिमामयी कार्यक्रम में नवविवाहित दम्पतियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन आप सभी के जीवन में नई खुशियों, नई आशाओं और नए संकल्पों का शुभारंभ है। उद्यान मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को विवाह संबंधी सहयोग उपलब्ध कराना है, जिसके अंतर्गत शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को कुल एक लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा

कि प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह को सम्मानपूर्वक सम्पन्न कराने का कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबके सम्मान की भावना के साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसी संवेदनशील सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने भी वर-वधुओं को आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं दीं।

सोनभद्र में कोई प्रसासनिक अधिकारी सीओजी नम्बर नहीं उठाता- संदीप मिश्र
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अधिकारी भी रील बनाकर चर्चा में रहना पसन्द कर रहे हैं वहीं सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में आम



जनता त्रस्त हैं वहीं जनपद का हरेक अधिकारी मस्त है किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र ने कहा कि जनपद प्रसान व जनपद में बैठे अधिकारी सब निरंकुश हो चुके हैं उन्हें सरकार का कोई भय नहीं है आज जनपद का कोई अधिकारी सीओजी नम्बर पर आने वाले काल को अटोपड नहीं करता इस प्रकार की कार्यशैली हमने कभी नहीं देखा पूरे जनपद के

जनपद के जितने जनप्रतिनिधि हैं कहीं न कहीं वो दल प्रतिनिधि की तरह कार्य कर रहे हैं जन सरोकार से किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता आज कहीं कहीं विधायिका व कार्यपालिका दोनों संवेदनहीनता के चरम की पराकाष्ठा पर हैं यदि अधिकारियों ने सीओजी नम्बर पर जबाब देना शुरू नहीं किया तो बहुत जल्द होगा बड़ा आन्दोलन।

थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अभियोग में वांछित अभियुक्त के विरुद्ध धारा 84 बीएनएसएस की उद्घोषणा का कराया गया तामीला मुनादी कराते हुए उद्घोषणा अभियुक्त के घर के मुख्य द्वार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर की गई चस्पा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अभियोग में वांछित अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा धारा 84 बीएनएसएस के अंतर्गत जारी उद्घोषणा का तामीला किया गया। थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र पर पंजीकृत मु040सं0-04/2026, धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट में वांछित अभियुक्त (वाहन स्वामी) अब्दुल

कलीम उर्फ अब्दुल करीम पुत्र मोहम्मद जलाल, निवासी 18-7-425/73/2 भवानी नगर 1ए,



तालाब कट्टा, चारमीनार, थाना भवानी नगर, कमिश्नरेट हैदराबाद के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा धारा 84 बीएनएसएस के अंतर्गत जारी

एकादश आयुर्वेद दिवस पर हुआ भव्य कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। एकादश आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में जिला पंचायत

जीवन शैली के प्रत्यक्ष उदाहरण देते हुए इसे अपनी की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय साईंसेज, ओम प्रकाश कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साईंसेज, जिला शैक्षणिक प्रशिक्षण



संसाधन केंद्र (DPRC) जनपद सोनभद्र में जिलास्तरीय भव्य कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी ने लोकजीवन में स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोगों की चिकित्सा के लिए आयुर्वेद के महत्व एवं बढ़ते प्रभाव पर विस्तृत प्रकाश डाला। आयुर्वेद की विभिन्न प्रयोगिताओं के लिए अनेक संस्थानों से आए प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए उन्होंने छात्रों को आयुर्वेदिक

आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डॉ विश्वकर्मा, अधीक्षक 50 शय्या आयुष चिकित्सालय डॉ ज्योतिर्जय एवं वरिष्ठ चिकित्सक गण उपस्थित रहे। इस आयोजन में आयुर्वेद दिवस के महत्व एवं लक्ष्य पर छात्रों ने आयुर्वेद आधारित भाषण, निबंध, विज्ञापन, पोस्टर प्रतियोगिता, रील वीडियो निर्माण में भाग लिया। इसमें जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय बालिका विद्यालय, कीर्ति इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

संस्थान, राजकीय महिला महाविद्यालय राबर्ट्सगंज से प्रतिभागी सम्मिलित हुए। उत्कृष्ट छात्रों को मुख्य विकास अधिकारी महोदया ने सम्मानित किया। इन शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। डॉ अपूर्व प्रियदर्शी ने मंच संचालन करते हुए आयुर्वेद की जानकारी दी। इस अवसर पर आयुष विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

सोनभद्र में किन्नर प्रकोष्ठ ने भरी संगठन विस्तार की कार-ओबरा में हुई अहम बैठक: संगठन के पदाधिकारी ने विस्तार से लेकर आगामी गतिविधियों तक हुआ मंथन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ओबरा में विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ की अहम बैठक में संगठन विस्तार को लेकर जोरदार मंथन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के दिशा-निर्देशन एवं किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष काजल किन्नर के नेतृत्व में आयोजित बैठक की अध्यक्षता सनातनी किन्नर अखाड़े एवं विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ प्रयाग एवं काशी संभाग की क्षेत्रीय अध्यक्षा श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर माँ किन्नर नंदगिरी ने की। बैठक में संगठन को जनपद से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, नई जिम्मेदारियां सौंपने तथा संगठन की गतिविधियों को गति देने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं

पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मजबूत संगठन के लिए आपसी समन्वय, सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना जरूरी है। इस दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजना को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जौनपुर की जिला अध्यक्षा बबली किन्नर, सपना किन्नर, चांदनी किन्नर, राधिका किन्नर, गुड्डी किन्नर, पूजा किन्नर, रीना किन्नर, राम भजन यादव, राजू सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को नई दिशा देने और विस्तार की गति तेज करने पर विशेष जोर दिया गया।

पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मजबूत संगठन के लिए आपसी समन्वय, सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना जरूरी है। इस दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजना को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जौनपुर की जिला अध्यक्षा बबली किन्नर, सपना किन्नर, चांदनी किन्नर, राधिका किन्नर, गुड्डी किन्नर, पूजा किन्नर, रीना किन्नर, राम भजन यादव, राजू सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को नई दिशा देने और विस्तार की गति तेज करने पर विशेष जोर दिया गया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारियों को लेकर अंतर्विभागीय बैठक सम्पन्न, मुख्य विकास अधिकारी ने विभागों को माइक्रोप्लान के अनुरूप अभियान चलाने के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र में 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक दस्तक अभियान संचालित किया जाना है। संचारी रोगों की रोकथाम एवं विभिन्न विभागों के

एवं माइक्रोप्लान के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विद्यालयों में बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति किया जाणा जागरूक-मुख्य विकास अधिकारी ने जिला बैसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों में प्रतिदिन प्रार्थना सभा के समय

लार्वा छिड़काव, फॉगिंग, कचरा निस्तारण, नालियों की सफाई एवं झाड़ियों की कटाई सहित अन्य निर्धारित गतिविधियां कराने के निर्देश दिए गए। स्कूट टाइफस एवं लैप्टोस्पायरोसिस से बचाव के लिए चलेगा जागरूकता अभियान-पशुपालन एवं कृषि



मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में प्रथम अंतर्विभागीय बैठक सम्पन्न हुई। अक्टूबर 2026 के लिए इन दोनों अभियानों की निर्धारित अवधि की पुष्टि हालिया उत्तर प्रदेश की जिला-स्तरीय तैयारियों से भी होती है। बैठक में चिकित्सा विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, ग्राम विकास विभाग, नगर पालिका/नगर पंचायत, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं सूचना विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी/कर्मचारी तथा समस्त ब्लॉक अधीक्षक, बीसीपीएम, डीपीएम एवं एनाएचएम के अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक के प्रारम्भ में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र द्वारा बताया गया कि 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान संचालित किया जाना प्रस्तावित है। अभियान के दौरान सभी संबंधित विभागों के सहयोग से शासन की गाइडलाइन के अनुसार साफ-सफाई, स्वच्छता एवं जनजागरूकता संबंधी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। जिला मलेरिया अधिकारी, सोनभद्र द्वारा पीपीटी के माध्यम से संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारियों, विभागवार प्रशिक्षण

बच्चों को संचारी एवं संक्रामक रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाए। बच्चों को सही तरीके से हाथ धोने, पूरी बांह की यूनिकॉर्म पहनने तथा बुखार आने पर 'क्या करें-क्या न करें' के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जाए। प्रत्येक विद्यालय में हाथ धोने के लिए हैंडवॉश की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उपलब्ध कराए गए पम्पलेट विद्यालयों में वितरित कर व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए गए। साफ-सफाई, फॉगिंग एवं एंटी लार्वा छिड़काव पर विशेष जोर-समस्त अधिशासी अधिकारियों एवं पंचायत विभाग को नालियों की नियमित साफ-सफाई, जल निकासी एवं कचरा निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साप्ताहिक कार्ययोजना बनाकर एंटी लार्वा छिड़काव एवं फॉगिंग कराने तथा इसकी फोटो संचारी रोग नियंत्रण अभियान के व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजना सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही चुर्क में सोन पम्प जाने वाले मार्ग पर डम्प कचरे का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश नगर पालिका परिषद, सोनभद्र के संबंधित अधिकारी को दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता गतिविधियां सुनिश्चित हो-ग्राम विकास विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही माइक्रोप्लान के अनुसार एंटी

विभाग को स्कूट टाइफस एवं लैप्टोस्पायरोसिस से बचाव के लिए गोष्ठियों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। साथ ही घूमन्तू गोवंश को नगर पालिका परिषद के माध्यम से तत्काल गो-आश्रय स्थलों में भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। 26 सितम्बर तक माइक्रोप्लान उपलब्ध कराने के निर्देश-मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि 26 सितम्बर 2026 तक प्रत्येक दशा में अपना माइक्रोप्लान उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। सभी विभागों को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट सायं 04:00 बजे तक जिला मलेरिया अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी जिला स्तर पर आयोजित गोष्ठियों में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी अपने-अपने ब्लॉक में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित कराएं। बैठक में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संचारी रोगों की रोकथाम, स्वच्छता एवं जनजागरूकता से संबंधित गतिविधियों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेंसी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



2018 लुगु किए हैं। इनके अनुसार-
पेपर कम है, इस्तेमाल होने वाला
कागज, कौटिंग, ईंधन और अन्य
सामग्री फूड-ग्रेड होनी चाहिए।
पैकेजिंग ऐसी होनी चाहिए जिससे
फूड या ड्रिंक की क्वालिटी, रस, स्वाद,
स्मेल और सुरक्षा प्रभावित न हो
और फूड में हानिकारक पदार्थ न
मिलें। फूड में सूखे संकेतों में आने
वाली सामग्री भारतीय मानक ब्यूरो
(बीआईएस) और एफएसडीएसआई
के निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी
चाहिए। इन सारी चीजों को
सुनिश्चित करना फूड बनाने वाले
का काम है और उसकी निगरानी
करना अथॉरिटी का काम। जब दोनों
ही अपना काम पूरी जिम्मेदारी के
साथ न कर रहे हों तो यह हमारी
जिम्मेदारी है कि हम अपनी सेहत
की परवाह करें और पेपर कम का
इस्तेमाल बिबिकुल न करें।

परिजों से हुई बातचीत के आधार पर ये यह बताया है कि जब हमने सुनना सीखा तब है तो हमारी रिलेशनशिप हमें क्या सिखाई है? चुंकि ये परिधि है सुनना से ही, जहां शब्दावली अस्थिरताओं से गुजर कर तलक तक पहुँच जाती है, तो ये बताया है कि जब हम अपने पाँदनों को सुनना सीख जाते हैं तो रिलेशनशिप हमें क्या सिखाती है। मसलन, अचानक से जब पति को उसका काम आनंद देने लगे तो कल्पन के बीच फ्रिक्शन शुरू हो सकता है। उनकी सोचा है कि काम के प्रति इस नए प्यारानुभव में बजाय दोनों को प्रभावित करने के बजाय दोनों को बात करनी चाहिए, क्योंकि 'प्यार' भी एक कार्य है और दोनों को इस पर भी कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। फंडा यह है कि लेबर ऑफ लव जीवन भर का काम है। जब हम एक-दूसरे को ज्यादा सुनते हैं, तो इसका फल और भी मोटा हो जाता है। कभी-कभी कमियाँ भी सुननी चाहिए, क्योंकि इससे कोई बार नया रास्ता भी निकल आता है। एन. रघुराम

यातायात ही नहीं, पुरुषों के एनटाइटलमेंट वाले रवैये से भी निपटने की अपेक्षा की जाती है। गुरुग्राम की घटना में सवाल यह



है कि जब किसी ठकुराव को दारान को मिला अपना स्पेस, अपना अधिकार या अपनी मिर्मा को छोड़ने से इनकार करती हैं, तब क्या होता है।

कुछ लोगो के लिए किसी महिला का एक पॉवरफुल बाइक चालाना अब भी इतना असामान्य है कि वे इसे उन्मुख के तौर पर लेते हैं। जब कोई महिला कहती है- दूरी बनाए रखें, तो इसे सहक पर कूट ही एक सामान्य हिंदुस्तान के रूप में लेने के बजाय चुनौती या उद्दता के रूप में देखा जा सकता है। यह बड़ी समस्या है। महिलाओं को सहक पर कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर एक और लेखक की जरूरत नहीं है। भारत में महिलाओं से पृष्ठि के से सार्वजनिक जगहों पर कैसा महसूस करती हैं और ज्यादातर कहेंगी कि वे खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं। यह खतरनाक है, क्योंकि इसका असर महिलाओं की शारीरिक और आर्थिक स्वतंत्रता पर पड़ता है। बदले की कार्रवाई या नुकसान के डर से महिलाएं घर में रह जाती हैं या सहक पर हर समय बेवद सावधान रहती हैं। इसकी कीमत को हम नज़अंदाज नहीं कर सकते। ये लोचनिका के अपने विचार हैं, (मेन पेंता)

स्कूल शामिल है। सरकार
स्कूलों को चलाए रखने के लिए
घटते वित्तीय संसाधनों के
अलावा, उच्च माध्यमिक स्तर पर



पढ़ाई छोड़ने की ऊंची दर का मतलब है कि कक्षाएं खाली हो रही हैं। करीब 73 प्रतिशत विद्यार्थी उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ देते हैं। नीति आयोग के संकेतन में इस ऊंची ड्रॉप-आउट दर को कंकारण बताए गए हैं। जिन अभिभावकों की आर्थिक क्षमता है, वे अपने बच्चों को अपेक्षाकृत महंगे निजी स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, जहां शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होती है। जो ऐसा नहीं कर सकते, वे माध्यमिक स्तर पर अपने बच्चों को स्कूल से निकाल लेते हैं, क्योंकि सरकारी संस्थानों में भी यूनिकॉर्स, किताबों, परीक्षा शुल्क आदि जैसे खर्च हैं, जिन्हें वहन करने वाले के लिए संभव नहीं होता। इसके विपरीत, प्राथमिक शिक्षा सभी गरीब पुरी तरह निशुल्क है। लगभग परिवारों पर आर्थिक दबाव भी ऐसे ही कि बच्चों को परिवार की आय बढ़ाने के लिए स्कूल छोड़कर कामकाज में लाना पड़ता है। यह 2020-21 के पीरियोटिक लेबर-फोर्स सर्वे में पाया गया कि 14 से 17 वर्ष उम्र के 31 प्रतिशत किशोरों काम कर रहे थे, जिनके 25 प्रतिशत लड़कियां ने परेल्ड कामों में अपनी मांओं की मदद करने के लिए पढ़ाई छोड़ दी थी। जहां केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का स्कूल बुनियादी ढांचे पर वार्षिक ट्रेंड कर

सर्वाधिक ओवर-सब्सक्रिप्शन हुआ। डेब्यू के दौरान कंपनी में हिस्सेदारी लेने के लिए 98 लाख निवेशकों ने आवेदन किया, लेकिन 5 हजार में से 1 से भी कम



निवेशक ही सफल हो पाए। 'युस्तो टेक्नोलॉजी' के आधिकारिक नाम वाला इस कंपनी का नेतृत्व 36 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर वांग शिंगशिंग कर रहे हैं। इन दोनों घटनाओं को साथ रखें तो स्पष्ट होगा कि नजरबंदीजान करना मुश्किल है- ह्यूमनॉइड अब फैंटेसी फ्लोर से हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी में आ रहे हैं। कई वर्षों तक मोटे तौर पर चर्चा यही थी कि रोबोट दहशत जगान वाले कामों में इंसानों की जगह ले सकते हैं। हम रोबोट को कारें, असेंबली करके, डिब्बे उगुर-उगुर ले जाते, फर्श साफ़ करते या खाना परोसते हुए देखते थे। लेकिन अगला चरण कहीं ज्यादा दयापूवक हो सकता है। ह्यूमनॉइड्स असतार्ता, धरो, हॉटेल, रिटेल स्टोर और ऑफिसों का हिस्सा बन सकते हैं। वे बुजुर्गों की मदद, खतरनाक काम, बच्चों की पढ़ाई, मेहमानों का मनोरंजन और इंसानों की सहायता जैसे काम कर सकते हैं। अब खेल में भी एक नई संभावना दिख रही है- मनोरंजन का क्षेत्र भी मशीनों के लिए फुलप्राउंड बन सकता है। ऐसे भविष्य की कल्पना कीजिए, जिसमें ह्यूमनॉइड फुटबॉल लीग, रोबोट मैराथन या रोबोट

फेडरेशन के अध्यक्ष बने रहे हैं। वे लोग जो रोबोटिक सेल्स की निगरानी करते हैं, सिस्टम पर नज़र रखते हैं, तकनीकी गड़बाइयाँ दूर करते हैं और मशीनों की एपर्कमेंस को ऑप्टिमाइज करते हैं। बदलाव यह है कि अब रिपीटेटिव काम करने के बजाय इस काम को करने वाली टेक्नोलॉजी को मैनेज करना है। वो दिन दूर गए, जब कर्मचारियों को घंटों तक भारी मेटल चेसिस उठाने पड़ती थी या थका देने वाले अजीब सी रेस-मुव्मेंट करने पड़ते थे। जब मशीनें फिजिकल स्ट्रेन का बड़ा हिस्सा संभाल लेती हैं तो इंसान ज़्यादा मेटल लैंग्वर रह सकते हैं और समस्याओं को एनालाइज करके निर्णय करने पर ध्यान दे सकते हैं। आधुनिक फ्लांट्स में प्लेक्सिबिलिटी भी ज़्यादा बढ़ाकर होगी। कम्यूनियर्स को अलग-अलग स्ट्रेशन्स और जिम्मेदारियाँ के बीच रोटेट किया जा सकता है। सुबह ओटोमैटेड ग्लास-कुर्कटाप ऑनबीटो सेलिंग सभाओं वाला वर्कर दोपहर में ऑटोनॉमस मेडियर-हैंडलिग बीकूलेस की निगरानी कर सकता है। यहीं पर 2030 का जॉब सिनेरियो दिखलसू हो जाता है। अगर प्रौद्योगिकी की फैक्ट्री को टेक्नोलॉजी प्रॉसेसिंग साँवर की जरूरत होगी तो आपको आज क्या करना चाहिए- यदि आप 2030 में ओई फैक्ट्रियों का हिस्सा बनना चाहते हैं तो।

1. एआई और ऑटोमेशन के बेसिक्स सीखें। आपको एआई साइंटिस्ट बनने की जरूरत नहीं, लेकिन यह समझना चाहिए कि सेंसर, मशीन विजन, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन सिस्टम और एआई-बेस्ड डिजीजन-मेकिंग कैसे काम करते हैं।

2. डेटा लिटरसी विकास करें। किसी फ्यूचर वर्क को दृष्टांत के रूप में पढ़ने, बेसिक स्टैटिस्टिक्स समझने, असामान्य पैटर्न पहचानने और डिसेजन लेने के लिए डेटा का इस्तेमाल करने में सहज होना होगा। अगर कोई मशीन कहती है कि कुछ गड़बड़ हुई है तो इंजीनियर का इंतजार करने के बजाय वर्क को यह आना चाहिए कि उस जानकारी का मतलब क्या है।

का ही हिस्सा होती है। चूंकि अपनी बात कहते वक्त कोई व्यक्ति पूर्ण रूप से खो जाता है तो वह



कि सामने वाला व्यक्ति भी उसके भावों और शब्दों पर इतनी ही तवज्जो दे, उसका ध्यान इधर-उधर न भटके। आपने भी घरों में महसूस किया होगा कि बच्चे कई बार

ताना-पिताना को सुनते वक्त अपना अधिकतर ध्यान फोन पर उस गतिविधि में लगाए रहते हैं, जो प्रायः बिल्कुल अनावश्यक होती है। तो क्या 'फबिग' हमारी भावनात्मक कहानियों को भी बेजान कर देगा? शायद हां। हाल ही में एक अध्ययन हुआ, जिसमें पढ़ने वालों को छह लघु कहानियाँ पढ़ाई गईं। उसमें से तीन कहानियाँ ईंसानों ने लिखीं और तीन टेक्नोजीपीटी की बनाई हुई थीं। एआई के द्वारा लिखी गई कहानियों की थीम भी ईंसानों वाली कहानियों जैसी ही थी। लेकिन जब पाठकों को रोज़कता के आधार पर उन कहानियों को रेट करने को कहा गया तो एआई से बनी कहानियों को ज्यादा रेटिंग मिली। यह दर्शन बताता है कि सामाजिक सम्मेषण में 'फबिग' के आ जाने से रिक्तों और उनकी कहानियों का भावनात्मक पक्ष को कमजोर कर देगा है। और यह भी कि हमारे पूर्वजों ने गर्दन को सीधी करके ही सभ्यताओं के विकास की कहानी को अंजाम दिया था। लेकिन हमारे दो आजाद हाथ अब फिर से बंध चुके हैं और सीधी गर्दन फोन को निहारती हुई फिर से झुक चुकी है। आजाद कराने की कोशिश कीजिए खुद को और उनको जो इस फेर में सचकुछ को नजरअंदाज कर परतंत्र बने हुए हैं। अगर आपको फोन में व्यस्त होकर आपको नजरअंदाज कर भी रहा हो तो उनसे प्रतिक्रिया की 'फबिग' का भाव न रहित। उनसे बातें करने की कोशिश करते रहिए। धीरे धीरे मैं, संस्थाओं में फोन से निहा आँखें, कान और मन मनुष्यता को 'फबिग' के ग्रहण से बचाएंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं, नंदिताशे निलया)

जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति अमेरिका पहुंचे,यूएन में भाषण, न्यूयॉर्क में कहीं आने-जाने के लिए इजाजत लेनी होगी

न्यूयॉर्क। 4. बातचीत की कितनी गुंजाइश छोड़ेगे? ईरानी इेलीगेशन के पास अमेरिका के साथ कूटनीति फिर शुरू करने का अधिकार है। इसलिए यूएन



पूजशकियान के भाषण से यह संकेत मिल सकता है कि ईरान आगे की बातचीत के लिए किन शर्तों पर तैयार है। पूजशकियान के पास खास कानूनी सुरक्षा-ईरानी राष्ट्रपति पूजशकियान



न्यूयॉर्क में गिरफ्तार नहीं हो पाएंगे। इसकी दो बड़ी वजहें हैं। 1. राष्ट्रपति को खास कानूनी सुरक्षा मिलती है- किसी देश के मौजूदा राष्ट्रपति को दूसरे देश में जाकर सीधे गिरफ्तार करना आसान नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय नियमों व तहत मौजूदा राष्ट्राध्यक्षों को खास कानूनी सुरक्षा मिलती है। इसका मकसद यह है कि कोई देश अपनी मर्जी से दूसरे देश के मौजूदा राष्ट्रपति को गिरफ्तार न कर सके। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि राष्ट्रपति पर कभी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती। यह इस बात पर निर्भर करता है कि मामला किस अदालत में है, आरोप क्या हैं और उस देश के कानून क्या कहते हैं। निकोलस मादुरो का मामला इसका उदाहरण है। उन्हें अमेरिका ने गिरफ्तार किया था, लेकिन अमेरिका उन्हें उस समय वेनेजुएला का वैध राष्ट्रपति नहीं मानता था। 2. यूएनजीए के लिए अमेरिका की

विदेशी प्रतिनिधि को यूएन के आधिकारिक काम में हिस्सा लेने से ही रोक दे। हालांकि, यूएन के बाहर उसकी आवाजाही पर पाबंदी लगाई जा सकती है। इसी वजह से पूजशकियान और अराघची को अमेरिका आने की अनुमति दी गई है। लेकिन ईरानी प्रतिनिधिमंडल छोटा रखा गया है और उसके सदस्यों की आवाजाही भी सीमित रहेगी। यात्रा और खरीदारी पर पाबंदियां रहेगी- अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक ईरानी अधिकारियों की न्यूयॉर्क में आवाजाही सीमित रहेगी। वे सिर्फ कुछ तय जगहों पर ही जा सकेंगे। आमतौर पर ऐसे अधिकारियों को यूएन मुख्यालय, ईरान के यूएन मिशन और कुछ दूसरी चीजें बीच ही आने-जाने की अनुमति होती है। इसके अलावा लजरी सामान और कुछ दूसरी चीजें खरीदने पर भी रोक रहेगी। अमेरिका पहले भी ईरानी अधिकारियों पर इस तरह की पाबंदियां लगा चुका है।

दावा- सऊदी अरब ने यमन में मिसाइल से हमला किया,बाब अल-मंदेब के पास लोकल मार्केट पर हमला, यमन सरकार ने ट्रम्प से मांगी मदद

सना/रियाद। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। हूतियों ने दावा किया है कि सऊदी अरब ने बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास एक गांव के लोकल

अल-अलीमी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बात कर हूतियों के खिलाफ मदद मांगी है। हालांकि ट्रम्प ने सैन्य मदद का कोई वादा नहीं किया।हूतियों के खिलाफ सऊदी की मदद करेगा



मार्केट पर मिसाइल अटैक किया। हूतियों के मीडिया ऑफिस ने हमले का सीसीटीवी वीडियो भी जारी किया है, जिसमें सोमवार दोपहर करीब 12:14 बजे मार्केट पर मिसाइल गिरती दिखाई दे रही है। उस वक्त मार्केट में काफी लोग मौजूद थे। हालांकि, हमले में कितने लोग मारे गए या घायल हुए, इसकी जानकारी नहीं दी गई है और सऊदी अरब ने भी इस दावे पर कोई बयान नहीं दिया है। इसी बीच, यमन के राष्ट्रपति राशद

ब्रिटेन- यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच लड़ाई तेज हो गई है। इस बीच ब्रिटेन ने सऊदी को मदद देने का फैसला किया है। सोमवार को न्यूयॉर्क जाते समय पत्रकारों से बात करते हुए ब्रिटिश पीएम एंडी बर्नहैम ने कहा। ब्रिटेन एयर-दू-एयर रियुयुलिग के लिए टैकर देगा। यानी हवा में उड़ते सऊदी लड़ाकू विमानों में ईंधन भरा जा सकेगा। इधर लड़ाई का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। यूएन के मुताबिक,

मैकों बोले-गाजा के हालात दुनिया के लिए शर्म की बात ,लोग पानी-दवाइयों के लिए जूझ रहे, ट्रम्प के जंग खत्म होने के दावे पर लगाया प्रश्नचिन्ह

न्यूयॉर्क। इजराइल को पड़ोसी देशों की सीमा का सम्मान करना होगा- मैकों ने



कहा कि इजराइल के पड़ोसी देशों की संप्रभुता और सीमाओं का सम्मान नहीं करने से उसकी सुरक्षा मजबूत नहीं होगी। उनके मुताबिक, ऐसी कार्रवाइयां आगे चलकर इजराइल की सुरक्षा को ही कमजोर कर सकती हैं। फ्रांस ने पिछले एक साल में वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों को लेकर अपना रुख सख्त किया है। फ्रांस ने कुछ प्रतिबंध लगाए हैं और वहां की बस्तियों से आने वाले सामान पर रोक लगाने की प्रक्रिया भी शुरू की है। वेस्ट बैंक और गाजा क्यों अहम हैं? 1967 के

था।फिलिस्तीनियों की मांग है कि ये तीनों क्षेत्र भविष्य में उनके देश का हिस्सा होने चाहिए। इजराइल की मौजूदा सरकार फिलिस्तीनी देश के बनने का विरोध करती है और वेस्ट बैंक के ज्यादा से ज्यादा हिस्से को अपने में मिलाना चाहती है। इजराइल-फिलिस्तीन के बीच क्यों नहीं हो पा रहा समझौता-वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों को लेकर विवाद है। यरुशलम पर दोनों पक्ष दावा करते हैं। इजराइल सुरक्षा चिंताओं का हवाला देता है। फिलिस्तीनी अपने अलग देश के हक की जमीन की मांग करते हैं।

तुर्किये राष्ट्रपति ने यूएन में फिर से उठाया कश्मीर मुद्दा, 2019 से 7 बार जिक्र कर चुके, फिलिस्तीन का नाम लिया तो इजराइली अधिकारी बाहर निकले

न्यूयॉर्क।युद्ध शुरू होने के बाद अभी इस रास्ते से सबसे



ज्यादा तेल गुजर रहा है। अमेरिका की ताकत पर- अमेरिका वापस आ गया है। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है, अपराध कम है और हमारी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में से एक है। रूस-यूक्रेन युद्ध पर- रूस और यूक्रेन के लोग इस युद्ध से थक चुके हैं। मुझे लगता है कि यह युद्ध खत्म होने वाला है। किसी न किसी तरीके से इसका समाधान होगा। क्यूबा में आजादी पर- अमेरिका में कम्युनिज्म कभी नहीं आया, लेकिन क्यूबा में आजादी जरूर आया। हम अपने पड़ोस में ऐसे देशों को दूसरे देशों के लिए खतरा बनने

इग कार्टल्स हमारे लिए एआईएसआईएस जैसे खतरे हैं। हम इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। एआई पर- हम एआई को कंट्रोल करने वाली किसी ग्लोबल व्यवस्था को नहीं मानेंगे। मेरा मानना है कि एआई को सुपर इंटेलिजेंस यानी एसआई कहना चाहिए। ग्रीनलैंड पर- हम ग्रीनलैंड में दो बड़े सैन्य ठिकाने बनाएंगे। अमेरिका की सुरक्षा के लिए वहां मजबूत सैन्य मौजूदगी जरूरी है। यूएन की फंडिंग पर- हमने यूएन की फंडिंग में करीब 15फीसदी कटौती की।

पैसों की कमी के कारण यूएन को करीब 4,000 कर्मचारियों को हटाना पड़ा।

सऊदी अरब ने यमन में मिसाइल से हमला किया,बाब अल-मंदेब के पास लोकल मार्केट पर हमला, यमन सरकार ने ट्रम्प से मांगी मदद

लड़ाई बढ़ने से अब तक 1.2 लाख से ज्यादा यमन के लोग बेघर हो चुके हैं। पिछले कुछ दिनों में 3,000 से ज्यादा यमनी शरणार्थी लाल सागर पार कर ज़िबूती पहुंचे हैं। ब्रिटेन वॉयजर टैकर विमान

के लिए हैं और एक विमान सामान्य यानी सिविलियन रजिस्ट्रेशन वाला है। जरूरत पड़ने पर उसे भी सैन्य काम में लगाया जा सकता है। सऊदी अरब को दी जा रही यह मदद कुछ हफ्तों के लिए होगी। ब्रिटेन इस साल पहले ही सऊदी अरब में स्काई सेबर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर चुका है। यह सिस्टम दुश्मन के ड्रोन और मिसाइल जैसे हवाई हमलों से बचाव के लिए इस्तेमाल होता है। ब्रिटेन पहले भी हूतियों पर हमला कर चुका है।ब्रिटेन पहले भी हूती ठिकानों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर चुका है। जनवरी 2024 में ब्रिटेन ने अमेरिका के साथ मिलकर यमन में हूतियों के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। यह कार्रवाई लाल सागर में व्यापारिक जहाजों पर हूतियों के लगातार हमलों के बाद की गई थी।अभिधान में ब्रिटिश आरएएफ टाइफून लड़ाकू विमानों को वॉयजर टैकर विमानों से हवा में ईंधन दिया गया था। इसके बाद अप्रैल 2025 में भी ब्रिटेन और अमेरिका ने यमन में हूतियों के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान चलाया। इसमें ब्रिटिश आरएएफ टाइफून लड़ाकू विमानों के हूतियों के ड्रोन बनाने वाली एक जगह को निशाना बनाया था। इस अभियान में भी टाइफून विमानों को वॉयजर टैकर से हवा में ईंधन दिया गया था। हूतियों ने तेजी से अहम द्वीपों पर कब्जा किया-यमन के हूतियों ने इस महीने लाल सागर के तट की ओर तेजी से बढ़ते हुए बाब-अल-मंदब स्ट्रेट के पास के इलाकों

रिपोर्ट-एसआईआर पर 2 चुनाव आयुक्तों ने 14 बार आपत्ति जताई, आयोग बोला- यह सामान्य हैं, राहुल ने कहा- वोट चोरी में शामिल, तो नहीं बख्शेंगे

नयी दिल्ली। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग में कथित मतभेद की रिपोर्ट सामने आने के बाद आयोग ने बयान जारी किया है। ई.सी.ने कहा कि चुनाव आयुक्तों की लिखित टिप्पणियां, सुझाव और फैसलों की आंतरिक जांच एक सामान्य प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बनाए रखना और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। इस मामले में राहुल गांधी ने वीडियो जारी कर वोट चोरी को संविधान के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि समय आने पर किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। चुनाव आयोग में मतभेद: 2 आयुक्तों ने 14 बार आपत्ति जताई:- 3 में से 2 चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीने में कम से कम 14 बार चुनाव आयोग के फैसलों पर आपत्ति दर्ज की। नए वोटर जोड़ने, नाम हटाने और बहाल करने के फैसलों पर सवाल उठाए। एसआईआर के लिए बनाए गए फॉर्म-6 में बदलाव को 'अनुधिकृत और अवैध' बताया। वोटर डेटाबेस के दिल्ली में केंद्रीकरण और राज्यों के अफसरों की पहुंच नहीं होने पर चिंता जताई। वोटर सॉफ्टवेयर / आईटी सिस्टम को लेकर कैंबिनेट सचिव से शिकायत की। दोनों चुनाव आयुक्तों ने आपत्तियां ज्ञानेश कुमार को भी भेजी-द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने आरोप लगाया कि कई फैसले उनकी जानकारी या मंजूरी के बिना लिए गए। आयोग के फैसलों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति जताई है। इनमें एक ही दिन चार

आपत्तियां दर्ज की गईं। इन का काम किया है। न्याय मताधिकार से वंचित किया जा



आपत्तियों की प्रतियां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी भेजी गईं। कुछ आपत्तियां उन उप चुनाव आयुक्तों को भी भेजी गईं, जो संबंधित काम की निगरानी कर रहे थे। यह विवाद बिहार से जून 2025 में शुरू हुए स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) के बीच सामने आया है। एसआईआर के तहत 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अखिलेश ने कहा- सुप्रीम कोर्ट नोटिस ले, आप बोली- सुधार जरूरी। राहुल गांधी- मैं इलेक्शन कमीशन और इलेक्शन ऑफिसर्स को साफ कह रहा हू कि आप जो कर रहे हो गलत कर रहे हो। ये राजद्रोह हैं, देश के खिलाफ हैं। टाइम आया। हम आपको पकड़ेंगे। बचने वाले नहीं हो। वोट चोरी भारतीय लोगों के खिलाफ एक अपराध है और हमारे संविधान पर सीधा हमला है। बीजेपी, आरएसएस और ईसी जिन्होंने इसे ऑर्गनाइज किया, उन्होंने देशद्रोह

मिलेगा।:- राहुल गांधी कांग्रेस सांसद। सपा प्रमुख अखिलेश यादव- सभी चुनाव आयुक्त अपना सही काम नहीं कर पा रहे हैं। एक स्वतंत्र निकाय के सदस्यों को अगर न्यायपूर्ण कार्य करने की स्वतंत्रता नहीं है या उनकी कोई सुनवाई नहीं है तो ये लोकतंत्र के लिए बेहद घातक और खतरनाक हालात हैं। कुछ लोगों द्वारा सत्ता की कठपुतली बनकर लोकतंत्र को धोखा देना घोर सांविधानिक अपराध है। ये लोकतंत्र को मिटाने के किसी षड्यंत्र से कम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान ले। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज- सभी विपक्षी दलों को पहले चुनाव आयोग से जुड़े इस मुद्दे को उठाना चाहिए और आयोग को व्यवस्थित करने पर ध्यान देना चाहिए। ममता टीएमसी की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष- एसआईआर की खामियों और अव्यवस्था की जिम्मेदारी मुख्य चुनाव आयुक्त की है। किसके निर्देश पर नागरिकों को कथित तौर पर

रहा है। यूबीटी शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे- महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में बैलट पेपर का उपयोग करके फिर से चुनाव होने चाहिए। ज्ञानेश कुमार को हटाने का पुराना मामला-अप्रैल 2026 में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया था कि विपक्ष के 73 राज्यसभा सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए नोटिस दिया है।

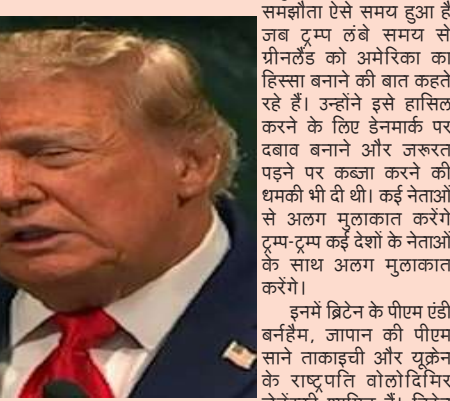
इसमें 'सबित कदाचार' का आरोप लगाया गया था। कांग्रेस महासचिव केशी वेणुगोपाल ने भी उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने एसआईआर के दौरान असली वोटर्स के प्रभावित होने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की थी। इससे पहले लोकसभा में भी हटाने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इसे खारिज कर दिया था।

ट्रम्प की ईरान को धमकी-समझौता करो, वरना तबाह कर देंगे,7 महीने में 10 से ज्यादा धमकियां दीं, हर बार पलटे

न्यूयॉर्क। वजह है ईंधन की बढ़ती कीमत और युद्ध को लेकर मतदाताओं की नाराजगी। ऐसे में

ट्रम्प की कड़ी चेतावनी अपनी पार्टी के नेताओं और समर्थकों को भी एकजुट रखने का संदेश हो सकती है। 3. हूती के हमलों से अरब देश परेशान- ईरान वेंस समर्थन वाले हूती लड़ाके लगातार सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहे हैं। हूती लाल सागर और बाब-अल-मंदेब वेंस आसपास भी एक्टिव हैं। यह रास्ता एशिया और यूरोप के बीच तेल और सामान पहुंचाने के लिए बेहद अहम है। ईरान पर अमेरिकी दबाव बढ़ा तो हूती के हमले और बढ़ सकते हैं। इससे जहाजों को लंबा रास्ता लेना पड़ेगा और तेल-सामान महंगा हो सकता है। ट्रम्प नहीं चाहते कि हूती अरब देशों और अमेरिकी सहयोगियों पर हमले बढ़ाएं। 4. ट्रम्प अपनी जीत दिखाना चाहते हैं- ईरान युद्ध करीब 7 महीने से चल रहा है और अमेरिका पर इसकी लागत 3 लाख करोड़ रूपए से ज्यादा हो चुकी है। ट्रम्प अब इसे लंबा खींचने के बजाय किसी समझौते तक पहुंचकर यह दिखाना चाहते हैं कि उनकी सैन्य कार्रवाई का नतीजा निकला। 5. दुनिया को

संदेश: अमेरिका पीछे नहीं हटेंगा-यूएन में ट्रम्प की कड़ी भाषा सिर्फ ईरान के लिए नहीं है। वह



सहयोगी देशों और विरोधियों दोनों को यह संदेश देना चाहते हैं कि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मिसाइलों और उसके सहयोगी समूहों के मामले में पीछे हटने वाला नहीं है। ट्रम्प फिर बोले- भारत-पाकिस्तान की जंग रुकवाई-अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाने का दावा किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद से उन्होंने 8 जंग खत्म कराई है। ट्रम्प ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ को 'फैटार्स्टिक मैन' बताया। वे 150 से ज्यादा बार

युद्ध में शामिल नहीं होना चाहता-यमन के ठीक सामने स्थित जिबूती ने साफ किया है कि वह हूतियों और सऊदी समर्थित यमनी सरकार के बीच युद्ध में शामिल नहीं होना चाहता। हालांकि, जिबूती अफ्रीका के सबसे ज्यादा सैन्य मौजूदगी वाले देशों में से एक है। 2003 से अमेरिका यहां कैंप लेमोनियर नाम का बड़ा सैन्य बेस चला रहा है। यहां चीन का भी बड़ा सैन्य बेस है। 2014 से चल रही है यमन में जंग-यमन में 2014 से गृहयुद्ध चल रहा है। एक तरफ हूती लड़ाके हैं और दूसरी तरफ यमन की सरकार के समर्थन में लड़ने वाली सेनाएं हैं।

सऊदी अरब भी यमन की सरकार का समर्थन करता है। 2022 में यूएन की कोशिश से दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में यह सीजफायर टूट गया। इसके बाद फिर मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमले होने लगे। यमन के पास बाब अल-मंदेब स्ट्रेट है। यहां से लाल सागर के रास्ते कई जहाज गुजरते हैं। इसीलिए यहां लड़ाई बढ़ने का असर दूसरे देशों के कारोबार और सागर में सऊदी जहाजों को भी निशाना बनाया गया है। जिबूती

वितीय व्यवस्था तक अपनी पहुंच खोने का खतरा रहेगा। विदेश जाने वाली उड़ानों पर पड़ सकता है असर- अमेरिकी कार्रवाई का असर ईरान की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ सकता है। एविएशन डेटा कंपनी सिरियम के मुताबिक, सितंबर में ईरान से हर हफ्ते करीब 70 हजार इंटरनेशनल सीटें उपलब्ध हैं। अगस्त में यह संख्या करीब 55,700 सीटें प्रति हफ्ते थी। अगस्त में महान एयर और सेफेहरान एयरलाइंस ईरान से इंटरनेशनल सीटों की क्षमता के मामले में सबसे बड़े स्थानीय ऑपरेटर्स में थीं। महान एयर के पास हर हफ्ते करीब 15,600 और सेफेहरान एयरलाइंस के पास करीब 10,500 सीटें थीं। 8 सितंबर को 27 ईरानी एयरलाइंस पर प्रतिबंध लगाया था-अमेरिका पहले भी ईरान की एयरलाइंस को खिलाफ कार्रवाई कर चुका है। अमेरिकी ट्रैजरी ने 8 सितंबर को 27 ईरानी एयरलाइंस समेत कुल 36 कंपनियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया था।

कार्तिक आर्यन को ‘चंदू चैंपियन’ के लिए नेशनल अवॉर्ड,इसके लिए 15किग्रा वजन घटाया था, फाल्के सम्मान पाने वाले अनंत नाग 11वीं तक ही पढ़े

गोवा। कार्तिक आर्यन को मंगलवार को फिल्म ‘चंदू चैंपियन’ के लिए 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का पुरस्कार मिला। उन्होंने अवॉर्ड ममुट्टी के साथ शेयर किया, जिन्हें ‘ब्रह्मयुगम’ के लिए यह पुरस्कार मिला। फिल्म ‘चंदू चैंपियन’ देश के पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म में मुरलीकांत का किरदार निभाने के लिए कार्तिक को अपने शरीर के साथ-साथ बॉक्सिंग स्किल्स पर भी काम करना पड़ा। इसके लिए उन्होंने करीब 14 महीने तक लगातार ट्रेनिंग ली।नेशनल लेवल के बॉक्सर और फिटनेस कोच त्रिवेद पांडे ने कार्तिक के बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन में उनकी मदद की थी। त्रिवेद ने 2024 में दैनिक भास्कर से बातचीत में कार्तिक की ट्रेनिंग से जुड़ी कई बातें बताई थीं। 90 किलो वजन से शुरू हुई ट्रेनिंग- त्रिवेद के मुताबिक, जब फिल्म के लिए ट्रेनिंग शुरू हुई, तब कार्तिक का वजन 90 किलो था। लक्ष्य था कि उनका वजन घटकर 69 से 75 किलो के बीच लाया जाए। इसके साथ ही उन्हें एक बॉक्सर के तौर-तरीकों के लिए तैयार करना था। त्रिवेद ने बताया था कि सिर्फ कार्तिक की बॉडी बनाना लक्ष्य नहीं था। फिल्म में बॉक्सिंग के प्रॉपर सीन थे, इसलिए उन्हें बॉक्सर की तरह तैयार करना जरूरी था। इसके लिए ट्रेनिंग में हैड-आइ कोऑर्डिनेशन पर खास ध्यान दिया गया। बॉक्सिंग में सामने वाले की हर मुव्जट पर नजर रखना जरूरी होता है। त्रिवेद के मुताबिक, इस खेल में माइक्रो सेकंड में चीजें बदल सकती हैं। इसलिए कार्तिक को निशाने पर

नजर बनाए रखने और उसी के मुताबिक तेजी से प्रतिक्रिया देने की ट्रेनिंग दी गई थी। ट्रेनिंग में कई पंच भी खाने पड़े-बॉक्सिंग सीखना कार्तिक के लिए आसान नहीं था। त्रिवेद ने बताया था कि ट्रेनिंग के दौरान कार्तिक को उनसे कई पंच पड़े। कई बार उनके चेहरे और पेट पर भी चोट लगी। कार्तिक को ट्रेनिंग के दौरान काफी दर्द सहना पड़ा। कई मौकों पर वह त्रिवेद से कहते थे, ‘भाई आराम से मारो।’ इसके बावजूद फिल्म की जरूरत के मुताबिक उन्होंने ट्रेनिंग जारी रखी थी। डाइट में 12 अंडे, एक साल तक मिठाई से दूरी- कार्तिक की डाइट पर भी खास ध्यान दिया गया। त्रिवेद के मुताबिक, 14 महीने



पंचनामा’ के ऑडिशन की जानकारी मिली। पहली कोशिश में कार्तिक रिजेक्ट हो गए। करीब 6 महीने तक कोई कॉल नहीं आया। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने प्रोडक्शन हाउस से अपनी तस्वीरें तक वापस मांगीं, ताकि दूसरे ऑडिशन में इस्तेमाल कर सकें। इसके बाद उन्हें दोबारा ऑडिशन के लिए बुलाया गया। करीब 6 महीने तक अलग-अलग राउंड हुए। फाइनल ऑडिशन में उन्हें 5 पंच का लंबा मोनोलॉग दिया गया। अगले दिन उन्हें इसे परफॉर्म करना था। कार्तिक ने इसे याद किया और ऑडिशन पास कर लिया। साल 2011 में कार्तिक ने ‘प्यार का पंचनामा’ में रजत यानी रज्जो का किरदार निभाया था। इस फिल्म के लिए उन्हें करीब 70 हजार रुपए मिले थे। फिल्म में उनका लंबा मोनोलॉग काफी चर्चा में रहा। हालांकि इसके बाद का सफर आसान नहीं रहा। 2018 में ‘सोन्

के टीटू की स्वीटी’ ने बदला करियर- ‘आकाशवाणी’ और ‘कांची’ जैसी फिल्मों को खास सफलता नहीं मिली। एक समय ऐसा भी आया जब कार्तिक को लगने लगा था कि शायद उन्हें आगे काम न मिले, लेकिन साल 2018 में ‘सोन्ू के टीटू की स्वीटी’ ने उनका करियर बदल दिया। फिल्म हिट हुई और कार्तिक की पहचान तेजी से बढ़ी। इसके बाद ‘लुका छुपी’ और ‘पति पत्नी और वो’ जैसी फिल्मों ने उनकी लोकप्रियता और मजबूत की। फिर साल 2022 में ‘भूल भुलैया 2’ ने

उन्हें बड़े क्मर्शियल स्टार्स की लिस्ट में पहुंचा दिया। कार्तिक ने इसके बाद अलग तरह के किरदार भी चुने। ‘सत्यप्रेम की कथा’ के बाद उन्होंने ‘चंदू चैंपियन’ में पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाया। 70 हजार से 20 करोड़ तक पहुंची फीस-कभी 70 हजार में फिल्म करने वाले कार्तिक की जिंदगी में ऐसे पल भी आया, उन्हें मात्र 10 दिन के रोल के लिए 20 करोड़ मिले। कार्तिक आर्यन ने आप की अदालत में बताया था कि उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी एक फिल्म की महज 10 दिनों की शूटिंग के लिए 20 करोड़ रुपये चार्ज किए थे। हालांकि उन्होंने फिल्म का नाम नहीं लिया, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार वह फिल्म ‘धमाका’ (2021) थी। अनंत नाग: 10वीं में फेल हुए, अब दादासाहेब फाल्के मिला-अनंत नाग को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2024 मिला। यह सम्मान उनके पांच दशक

एक के बाद एक रास्ते बंद होने के बाद वे अपने भविष्य को लेकर परेशान थे। पांच साल में 50 से ज्यादा नाटक किए-फिर अनंत नाग की जिंदगी में थिएटर आया। शुरूआत में एक्टिंग में उनका तय करियर नहीं था, लेकिन मंच पर काम करते-करते उन्हें अपना आत्मविश्वास वापस मिलने लगा। अगले पांच साल में उन्होंने 50 से ज्यादा नाटकों में काम किया।

मेरे होने वाले पति डिवोर्सी हैं:उन्होंने अपनी एक्स वाइफ को भी हमारी शादी में इनवाइट किया है, क्या ये नॉर्मल है?

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 43 साल है और जल्दी ही मैं शादी करने वाली हूं। जिनसे शादी हो रही है, वो डिवोर्सी हैं।

से बचाएगा। डिवोर्स के बाद दोस्ती खतरे की निशानी नहीं- कुछ लोग डिवोर्स के बाद भी एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखते हैं। पुराने झगड़े खत्म हो जाते हैं। समय वे साथ नाराजगी कम हो जाती है। प्यार और रोमांस नहीं रहता, लेकिन

रजामंदी से अपने रास्ते अलग कर लेते हैं। डिवोर्स के बाद दोनों के बीच झगड़े खत्म हो जाना इस बात का प्रमाण नहीं है कि शादी के समय भी रिश्ता अच्छा था। इसलिए उनसे उनके अतीत की पूरी कहानी जानने की कोशिश करें। लेकिन उनकी पूर्व

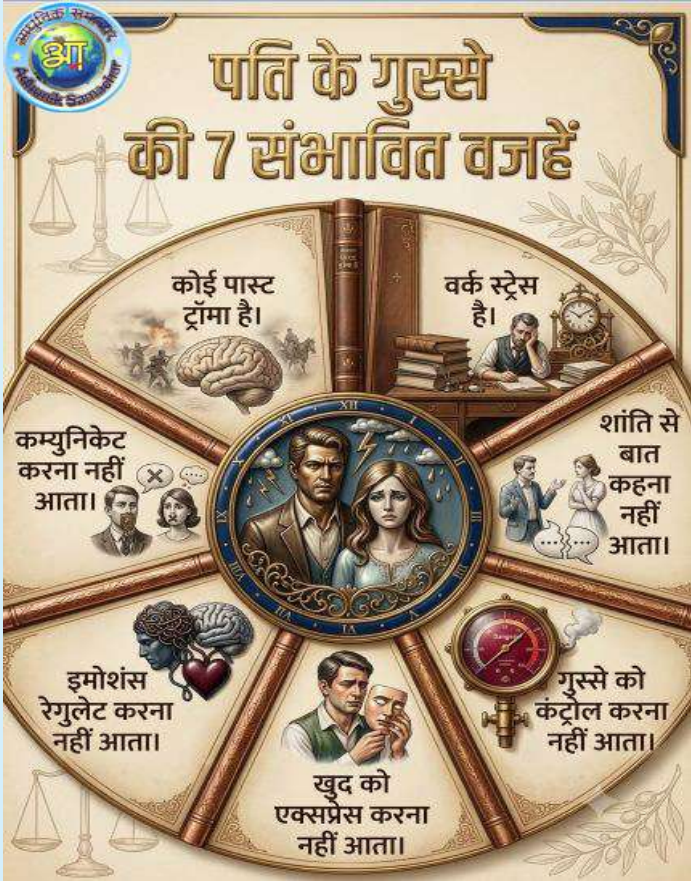


मुझे यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि हमारी शादी का इनविटेशन उन्होंने अपनी पूर्व पत्नी को भी भेजा है। उनके बीच अभी भी बात होती है। मैं समझती हूं कि उनका एक बेटा है और वो साथ मिलकर को-पेरेंटिंग कर रहे हैं। लेकिन वो एक-दूसरे से कुछ ज्यादा ही गर्मजोशी से मिलते हैं। मानो उनके बीच कोई झगड़ा ही न हो। अगर सबकुछ इतना अच्छा था तो फिर डिवोर्स ही क्यों हुआ? कहीं ऐसा तो नहीं कि वो दोनों अब भी साथ हैं। मैं क्या करूं? आपको चिंता समझ में आती है। शादी से ठीक पहले अगर होने वाला पार्टनर अपनी पूर्व पत्नी के साथ काफी सहज और गर्मजोशी से मिलता-जुलता दिखे, तो मन में सवाल उठना स्वाभाविक है। लेकिन अभी सिर्फ इस आधार पर यह मान लेना ठीक नहीं होगा कि दोनों फिर से साथ हैं। डिवोर्स का मतलब यह नहीं होता कि दो लोग हमेशा एक-दूसरे से नफरत करें। खासकर तब, जब

आपसी सम्मान और इंसानियत का रिश्ता बचा रहता है। इसलिए सिर्फ मुस्कराकर बात करना, अपनी शादी में इनवाइट करना या बच्चे से जुड़े कार्यक्रमों में साथ दिखना अपने आप में भावनात्मक रिश्ते का प्रमाण नहीं है। ये खतरा नहीं, इंसानियत के संकेत:- बच्चे के लिए साथ आना। बच्चे के फैंसले साथ मिलकर करना। डिवोर्स के बाद नफरत न करना। एक्स के साथ सम्मान से पेश आना। मुश्किल वक्त में साथ खड़े होना। पुराने झगड़ों को ढिल में न रखना। शादी से पहले एक जरूरी बातचीत करें-हालांकि आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उसे दबाकर रखना ठीक नहीं है। इसलिए अपने पार्टनर से खुलकर बात करें। लेकिन सिर्फ बात करें, कोई आरोप न लगाएं। आप कह सकती हैं- ‘मैं बच्चे के साथ तुम्हारे रिश्ते का सम्मान करती हूं। मुझे तुम्हारा को-पेरेंटिंग करना भी समझ में आता है। लेकिन अपनी पूर्व पत्नी के साथ

पति हैं गुस्से वाले-खुश रहें तो प्यार जताएं, लेकिन अंदाज़ा नहीं मिजाज़ कब बिगड़ जाए, डर में रहती हूं, क्या करूं?

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 33 साल है और मेरी शादी को 4 साल हो चुके हैं। मेरे पति बहुत गुस्से वाले हैं। जब वे गुस्से में नहीं होते, तो बहुत ख्याल रखते हैं, लेकिन गुस्सा आने पर उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। इस वजह से मेरा भी ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। मैं हमेशा डरी हुई रहती हूं कि न जाने उन्हें किस बात पर गुस्सा आ जाए। अब इस सिचुएशन से निपटना मेरे लिए मुश्किल हो रहा है। मुझे क्या करना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी से सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- अपनी समस्या शेयर करने के लिए शुकिया। आपकी स्थिति काफी गंभीर है और इसे समझना बहुत जरूरी है। साइकोलॉजी में इस कंडीशन को ‘वॉकिंग ऑन एंशोल्स’ कहते हैं। यानी आप हर वक्त इस डर में रहती हैं कि आपके किसी कदम से सामने वाला गुस्से से ‘फट’ न जाए। 4 साल का समय ये समझने के लिए पर्याप्त है कि यह केवल उनका ‘स्वभाव’ नहीं, बल्कि एक कंसर्निंग पैटर्न है। प्यार और गुस्से का यह ‘भ्रम’ खतरनाक-अक्सर ऐसे रिश्तों में पार्टनर एक अजीब तरह के भ्रम में रहता है। आप कहती हैं कि ‘जब वे गुस्से में नहीं होते, तो बहुत ख्याल रखते हैं।’ यही वह ‘दूष’ है, जो आपको इस टॉक्सिक कंडीशन से बाहर नहीं निकलने देता। साइकोलॉजी के अनुसार, इसे ‘इंटरमिटेंट रीइन्फोर्समेंट’ कहते हैं। जब कोई व्यक्ति बुरा व्यवहार करता है और फिर अचानक बहुत साा प्यार दिखाता है, तो सामने वाले को लगता है कि ‘वह दिल के बुरे नहीं हैं’, बस गुस्सा आ जाता है।’ याद रखे, उनका अच्छा व्यवहार उनके अग्रेसिवनेस को



सिग्नल’ आपको बढ़ता ब्लड प्रेशर और लगातार रहने वाली एंग्जाइटी महज एक फिजिकल इश्यू नहीं है। इसे ‘साइकोसोमैटिक इफेक्ट’ कहते

ये इम्युनिटी, हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर पर सीधा असर डालता है। आपका शरीर बार-बार चेतावनी दे रहा है कि यह माहौल आपके लिए सुरक्षित नहीं है। अगर आप इस पर ध्यान नहीं दिया, तो यह समस्या भविष्य में हार्ट डिजीज या क्रॉनिक डिप्रेशन का रूप ले सकती है। पति के गुस्से की वजह समझें- हर बार गुस्सा सिर्फ स्वभाव से जुड़ा नहीं होता है। कई बार इसके पीछे तनाव, पुराने अनुभव, भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई या खुद को समझा न पाने की परेशानी भी छिपी हो सकती हैं। अक्सर पत्नियां खुद को दोष देने लगती हैं या पति को शांत करने की जिम्मेदारी उठा लेती हैं। लेकिन यहां ये समझना जरूरी है कि आप किसी के गुस्से की ‘मैनेजर’

‘लॉजिक’ काम करना बंद कर देता है। आप उनके साथ बिताए अच्छे पलों को याद कर बुे पलों को नजरअंदाज करती हैं। लेकिन आपको ठंडे दिमाग से कुछ सवालों के जवाब खुद को देने होंगे। क्या मैं इस घर में सुरक्षित महसूस करती हूं? क्या मेरी खुशी मेरी सेहत उनकी प्राथमिकता है? क्या बच्चा इस माहौल में स्वस्थ रूप से बढ़ पाएगा? पिछली बार मैं कब बिना किसी डर के खुलकर हंसी थी ? क्या मैं अपनी बहन को ऐसे रिश्ते में रहने की सलाह देती? क्या वे हर किसी के ऊपर इसी तरह चिल्लाते हैं? क्या वे अपने गुस्से पर शर्मिलगी महसूस करते हैं? क्या वे खुद को बदलने की बात करते हैं? क्या वे इसके लिए प्रोफेशनल मदद चाहते हैं? क्या मैं अगले 20 साल इसी डर

में बिता सकती हूं? स्थिति को सुधारने के लिए क्या करें? अगर लगता है कि इस रिश्ते में अभी भी गुंजाइश है और आपके पति बदलाव के लिए तैयार हो सकते हैं, तो एक एक्शन प्लान के साथ काम करना होगा। 1. हेल्दी बाउंड्री तय करें- जब वे शांत हों, तब उनसे बात करें। उन्हें स्पष्ट शब्दों में कहें, ‘मुझे आपसे प्यार है लेकिन आपका चिल्लाना और अपमान करना मुझे स्वीकार्य नहीं है। जब आप चिल्लाएंगे, मैं उस कमरे से बाहर चली जाऊंगी।’ इसे ‘सेट लिमिट्स’ कहते हैं। 2. बातचीत के लिए सही समय चुनें- गुस्से के दौरान दी गई कोई भी दलील ‘आग में घी’ का काम करती है। इसलिए पति से बातचीत के लिए ऐसा समय चुनें, जब वह खुश हों और उनका मूड अच्छा हो। इस दौरान समझदारी के साथ अपनी बात रखें। 3. प्रोफेशनल हेल्प लें- अक्सर ‘घर की बातें घर में’ रखने के चक्कर में हम काउंसलर से सलाह नहीं लेते लेकिन ऐसे समय में प्रोफेशनल हेल्प लेना जरूरी है। इसके लिए ‘कपल थेरेपी’ या ‘एंगर मैनेजमेंट’ की क्लासेज जॉइन कर सकते हैं। अगर वे ऐसा करने से मन करते हैं, तो यह संकेत है कि उन्हें आपकी परवाह नहीं है।4. अपना सपोर्ट सिस्टम बनाएं- अकेले इस बोझ को न उठाएं। अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद दोस्त को इस स्थिति के बारे में बताएं। जब लोग जानते हैं कि क्या हो रहा है, तो सामने वाले पर एक सामाजिक दबाव भी बनता है कि वह अपना व्यवहार सुधारे गुस्से से कैसे निपटें।

प्रोफेशनल हेल्प के दौरान भी आपको खुद ही इस गुस्से से निपटना होगा तो इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। किसी भी रिश्ते को बचाने की जिम्मेदारी केवल एक व्यक्ति की नहीं होती। अगर पति बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं, अपनी गलती नहीं मानते और आपका स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा है, तो आप समझदारी से फैंसला ले सकती हैं। अंतिम सलाह- आपकी सुरक्षा और आत्म-सम्मान सबसे ऊपर है।

पति के अच्छे व्यवहार के दिनों को ढाल बनाकर उनके बुरे व्यवहार को नजरअंदाज न करें अगर वे बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं और आपकी सेहत बिगड़ती जा रही है, तो आपको अपने भविष्य और सुरक्षा के लिए समझदारी से सही फैसला लेना चाहिए।



उनका एक बच्चा है और दोनों साथ मिलकर को-पेरेंटिंग कर रहे हैं। इसलिए बच्चे की पढ़ाई, स्वास्थ्य, छुट्टियों और दूसरी जरूरतों के लिए दोनों को संपर्क में रहना पड़ सकता है। इसलिए असली सवाल यह नहीं है कि वे आपस में बात क्यों करते हैं। असली सवाल ये है कि वे किस तरह की बात करते हैं और उनके रिश्ते की सीमाएं क्या हैं। डिवोर्स के बाद बातचीत की वजहें-को-पेरेंटिंग की जरूरतें। बच्चे की देखभाल। बच्चे की पढ़ाई और स्कूला स्वास्थ्य से जुड़े फैसले। छुट्टियां और त्योहार के मौके। बच्चे की इमोशनल जरूरतें। इंसानियत और दोस्ती का भाव। पति सिर्फ आपका शक हैं, फैक्ट नहीं-सबसे पहले आपको दोनों चीजों के फर्क को समझने की जरूरत है। आपने देखा कि दोनों गर्मजोशी से मिलते हैं। यह एक तथ्य है। लेकिन ‘शायद वे अब भी साथ हैं’ यह सिर्फ एक आशंका है। दोनों के बीच अंतर करना बहुत जरूरी है। जब हमें रिश्ते को लेकर डर होता है, तो दिमाग अधुरी जानकारी को अपने डर के हिसाब से जोड़ने लगता है। इसलिए आप खुद से पूछें-मैंने वास्तव में क्या देखा है? उसके आधार पर मैं क्या मान रही हूं? यह छोटा-सा अंतर आपको लब्धबाजी में फैंसला लेने

तुम्हारा रिश्ता देखकर मेरे मन में कुछ सवाल हैं। मैं शादी से पहले इन्हें स्पष्ट करना चाहती हूं। इसके बाद कुछ सीधे सवाल पूछें। शादी से पहले जरूर पूछें ये सवाल:-आपका डिवोर्स क्यों हुआ? अब एक्स से कितना संपर्क रहता है? बातचीत किन मुद्दों पर होती है? क्या दोबारा साथ आने का मन हुआ? क्या निजी बातें भी शेयर करते हैं? शादी के बाद सीमाएं क्या होंगी? याद रखें, ये सवाल पूछने का मकसद जासूसी करना नहीं है। आप यह समझना चाहती हैं कि जिस रिश्ते में प्रवेश करने जा रही हैं, उसमें पुराने रिश्ते की जगह क्या है। डिवोर्स की वजह जानना क्यों जरूरी? आपका ये सवाल है कि ‘अगर सब इतना अच्छा था तो डिवोर्स क्यों हुआ?’ यह सवाल वाजिब है। लेकिन इसका जवाब हमेशा सीधा नहीं होता। कई शायदियां इसलिए टूटती हैं क्योंकि पति-पत्नी की प्राथमिकताएं अलग हो जाती हैं। कहीं लंबे समय तक मतभेद होते हैं। कहीं भरोसे की समस्या होती है। कहीं दोनों समझ जाते हैं कि वे साथ रहकर खुश नहीं हैं। हर शादी हमेशा सिर्फ इसलिए नहीं टूटती कि दोनों एक-दूसरे के दुश्मन हो गए थे। कई बार लोग एक-दूसरे के लिए सही मंच नहीं होते। इसलिए भी वे आपसी



जायज नहीं ठहराता। प्यार के बदले में डर की कीमत चुकाना

हैं। जब ब्रेन किसी तनाव को प्रोसेस नहीं कर पाता या आप

स्वताधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कट्रा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41युपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.नं.09415608710
RNINO.UPPHIN.2016/63398
www.adhunikasamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में
प्रकाशित समस्त समाचारों के
चयन एवं सम्पादन हेतु
पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत
उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न
समस्त विवाद इलाहाबाद
न्यायालय के अधीन ही होगा।